राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ द्वारा **जयपुर के जवाहर कला केंद्र** में **राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला** -2025 आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

मेले के बारे में:

- मेले में विभिन्न प्रकार के **स्वास्थ्यवर्द्धक और परंपरागत मसाले**, **मिलेट्स अनाज (श्री अन्न)** से बने उत्पाद और अन्य सहकारी उत्पादों की प्रदर्शनी की गई।
- इस वर्ष मेले में **श्री अन्न से बने उत्पाद विशेष रूप से आकर्षण के केंद्र बने हैं**।
- मेले में विभिन्न **स्वयं सहायता समूह**, सहकारी उपभोक्ता संघ और स्थानीय उत्पादकों ने अपनी विविध उत्पाद शृंखला के साथ भाग लिया।
- यह मेला उपभोक्ताओं को सीधे **शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण और स्वास्थ्यकर उत्पाद** खरीदने का अवसर प्रदान करता है।
- मेले के माध्यम से **स्थानीय स्तर पर रोज़गार और आर्थिक सशक्तीकरण** को बढ़ावा मिलता है।

मिलेट्स

- **यह** एक सामूहिक **शब्द है, जो अनेक छोटे बीज वाली घासों (small-seeded grasses) को संदर्भित करता है,** जिनकी खेती अनाज की फसलों के रूप में की जाती है, मुख्य रूप से **समशीतोष्ण, उपोष्णकटिबंधीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में शुष्क क्षेत्रों की सीमांत भूमि पर।
- **भारत में उपलब्ध कुछ सामान्य मोटे अनाज हैं** रागी (फिंगर मिलेट), ज्वार (सोरघम), समा (लिटिल मिलेट), बाजरा (पर्ल मिलेट) और वरगिा (प्रोसो मिलेट)।
- **वैश्विक और भारतीय उत्पादन:** भारत बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक है, इसके बाद नाइजर और चीन का स्थान है।
- **बाजरा संवर्द्धन: खाद्य और कृषि संगठन (FAO) द्वारा** वर्ष 2023 को **अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मान्यता दी गई।**
    - भारत सरकार **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन** **के तहत बाजरा उत्पादन को बढ़ावा देती है।**

कदन्न (MILLETS)

कदन्न/ मिलेट्स/ मोटा अनाज:

- **छोटे-बीज वाली फसलों को** मिलेट्स के रूप में जाना जाता है
- अक्सर इन्हें **'सुपरफूड'** के रूप में भी जाना जाता है
- इन **अनाजों के प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता में** पाए गए और ये **भोजन के लिये उगाए गए पहले पौधों में से** थे।

जलवायु संबंधी स्थिति:

- भारत में मुख्य रूप से **खरीफ की फसल**
- **तापमान:** 27°C–32°C
- **वर्षा:** लगभग 50–100 सेमी
- **मिट्टी का प्रकार:** अवर जलोढ़ या दोमट मिट्टी

भारत और कदन्न:

- **विश्व का सबसे बड़ा कदन्न उत्पादक:**
  - वैश्विक उत्पादन का 20%, एशिया के उत्पादन का 80%
- **सामान्य कदन्न:**
  - **रागी** (Finger millet), **ज्वार** (Sorghum), समा (Little millet), बाजरा (Pearl millet), और चेना /पुनर्वा (Proso millet)
  - स्वदेशी किस्में (छोटे बाजरा)–कोदो, कुटकी, चेना और साँवा
- **शीर्ष कदन्न उत्पादक राज्य:**
  - राजस्थान > कर्नाटक > महाराष्ट्र > मध्य प्रदेश > उत्तर प्रदेश
- **सरकार की पहलें:**
  - 'गहन कदन्न संवर्द्धन के माध्यम से पोषण सुरक्षा हेतु पहल' (INSIMP)
  - **इंडियाज वेल्थ, मिलेट्स फॉर हेल्थ**
  - मिलेट्स स्टार्टअप इनोवेशन चैलेंज
  - कदन्न के लिये **एमएसपी में वृद्धि**
  - कृषि मंत्रालय ने 2018 में कदन्न को **"पोषक अनाज"** के रूप में घोषित किया

अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष वर्ष 2023

भारत द्वारा प्रस्तावित, UNGA द्वारा घोषित

MILLET MAP OF INDIA

महत्त्व

- कम महंगा, पोषण की दृष्टि से बेहतर
- उच्च प्रोटीन, फाइबर, खनिज, लोहा, कैल्शियम और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स
- जीवनशैली की समस्याओं और स्वास्थ्य (मोटापा, मधुमेह आदि) से निपटने में मददगार
- फोटो-असंवेदनशील, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीला, जल गहन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-cooperative-spice-fair-2025